

सस्टेनेबल फैशन की चुनौतियाँ

प्रलिस के लिये:

सस्टेनेबल फैशन की चुनौतियाँ, [बायोडिगिरेडेबल](#), [संयुक्त राष्ट्र](#), [खादी और ग्रामोद्योग आयोग \(KVIC\)](#) ।

मेन्स के लिये:

सस्टेनेबल फैशन की चुनौतियाँ, स्वस्थ और समावेशी वातावरण के लिये सस्टेनेबल फैशन की आवश्यकता, पर्यावरण प्रदूषण और गरिबत ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

अधिकांश कपड़े और फैशन उत्पाद अब "पुनर्रनीकरण सामग्री" से बने होने का दावा करते हैं। हालाँकि इस दृष्टिकोण की प्रभावशीलता और स्थिरता को लेकर चिन्ता बढ़ रही है।

सस्टेनेबल फैशन क्या है?

- सस्टेनेबल फैशन से तात्पर्य इस तरह से फैशन उत्पाद बनाने की अवधारणा से है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया के दौरान सामाजिक ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य ऐसे फैशन आइटम बनाना है जो पर्यावरण के अनुकूल, सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।
- इको-फैशन का प्राथमिक फोकस उत्पादन में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों पर है। सस्टेनेबल फैशन ऊन, लिनन और कपास जैसी प्राकृतिक तथा जैविक सामग्रियों के उपयोग पर बल देता है, जिनमें हानिकारक कीटनाशकों और रसायनों के बिना उत्पादित किया जाता है।
- ये सामग्रियाँ [बायोडिगिरेडेबल](#) हैं और लैंडफिल में कचरे के नरिमाण में योगदान नहीं करती हैं।

सस्टेनेबल फैशन का क्या महत्त्व है?

- पर्यावरणीय प्रभाव:
 - फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन, पानी की खपत और अपशिष्ट उत्पादन में प्रमुख योगदानकर्ता है।
 - सस्टेनेबल फैशन का लक्ष्य नवीकरणीय सामग्रियों का उपयोग करके, संसाधन खपत को कम करने के साथ-साथ पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाओं को लागू करके इन प्रभावों को कम करना है।
- अपशिष्ट में कमी:
 - पारंपरिक फैशन के कारण अक्सर बड़ी मात्रा में कपड़े लैंडफिल में चले जाते हैं या जला दिये जाते हैं। **सस्टेनेबल फैशन सर्कुलरिटी को बढ़ावा** देता है, जहाँ सामग्रियों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण या बायोडिगिरेडेशन किया जाता है, जिससे अपशिष्ट कम होता है और संसाधनों का संरक्षण होता है।
- स्वास्थ्य एवं सुरक्षा:
 - पारंपरिक कपड़ा उत्पादन में कठोर रसायनों के उपयोग से श्रमिकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिये स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं।
 - सस्टेनेबल फैशन वषिकृत रसायनों के उपयोग से बचाता है या कम करता है, साथ ही सभी के लिये सुरक्षित और स्वस्थ उत्पादों को बढ़ावा देता है।
- उपभोक्ता जागरूकता:
 - सस्टेनेबल फैशन उपभोक्ताओं को अपने वस्त्रों की पसंद के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव पर विचार करने के लिये प्रोत्साहित करता है।
 - जागरूकता बढ़ाने और सचेत उपभोग को बढ़ावा देकर, यह व्यक्तियों को अधिक जानकारीपूर्ण एवं नैतिक खरीदारी संबंधी नरिणय लेने के लिये भी सशक्त बनाता है।

सस्टेनेबल फैशन के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं?

■ कपड़ा पुनर्चक्रण जटिलता:

- कपड़ा पुनर्चक्रण काँच या कागज़ जैसी पुनर्चक्रण सामग्री की तुलना में अधिक जटिल है।
- पुनर्नवीनीकृत वस्त्रों की अधिकता (93%) प्लास्टिक की बोतलों या PET बोतलों (पॉलीइथाइलीन टैरेफ्थेलेट) से आती है, जो जीवाश्म ईंधन से निर्मित होते हैं।
- हालाँकि प्लास्टिक की बोतलों के विपरीत, जिन्हें कई बार पुनर्चक्रण किया जा सकता है, पुनर्चक्रण पॉलिएस्टर से बनी टी-शर्ट को दोबारा पुनर्चक्रण नहीं किया जा सकता है।
 - यूरोप में अधिकांश कपड़ा अपशिष्ट को या तो फेंक दिया जाता है या जला दिया जाता है, केवल 22% का पुनर्चक्रण किया जाता है। हालाँकि कपड़ों के उत्पादन में पुनः उपयोग किये जाने के बजाय, पुनर्नवीनीकरण किये गए वस्त्रों को अक्सर इन्सुलेशन, गद्दे भरने या कपड़े साफ करने में पुनः उपयोग किया जाता है।
 - कपड़ों के उत्पादन में उपयोग किये जाने वाले 1% से भी कम कपड़ों को नए कपड़ों में पुनर्चक्रति किया जाता है।

■ महँगा और श्रमसाध्य:

- दो से अधिक फाइबर वाले कपड़ों को रसाइकल नहीं किया जा सकता।
- पुनर्चक्रण योग्य कपड़ों के रंग की छँटाई और ज़िपि, बटन, स्टड तथा अन्य सामग्रियों को हटाना होगा। यह प्रक्रिया आमतौर पर महँगी और श्रम-गहन है।

■ गुणवत्ता में गिरावट:

- जब सामग्रियों का पुनर्चक्रण किया जाता है, विशेषकर कपास जैसे वस्त्रों के मामले में तब गुणवत्ता प्रायः कम हो जाती है।
- यह कम गुणवत्ता पुनर्नवीनीकरण सामग्री के अनुप्रयोगों को सीमिति कर सकती है और साथ ही पुनर्चक्रण के उद्देश्य को वफिल करते हुए नई सामग्रियों के साथ मशिरण की आवश्यकता हो सकती है।

■ संदूषण:

- पुनर्चक्रण योग्य सामग्री प्लास्टिक कंटेनरों या कपड़ा रंगों में खाद्य अवशेषों सहित अन्य सामग्रियों से दूषित हो सकती है।
- संदूषण पुनर्चक्रति सामग्री की गुणवत्ता को खराब कर सकता है और साथ ही पुनर्चक्रण प्रक्रिया को भी जटिल बना सकता है।

■ प्रोद्योगिकीय सीमाएँ:

- विशेष रूप से कुछ सामग्रियों जैसे अशुद्ध प्लास्टिक या मशिरति फाइबर वाले वस्त्रों के लिये पुनर्चक्रण प्रक्रियाएँ लगातार विकसित हो रही हैं। इसलिये पुनर्चक्रण तकनीकें कम सफल और कुशल हो सकती हैं।

■ कार्बन फुटप्रिंट:

- कई पुनर्चक्रण योग्य वस्तुएँ जिन्हें पश्चिमी उपभोक्ता पुनर्चक्रण से छोड़ देते हैं, उन्हें सेकेंड हैंड सामान के रूप में बेचा जाता है। ये मुख्य रूप से मशिरति और पॉलिएस्टर आदि के रूप में खुले लैंडफिल में घाना और अन्य अफरीकी देशों की सड़कों पर समाप्त हो जाते हैं।
- यूरोप में एकत्र किये गए कपड़ों में लगभग 41% एशिया में कचरे के रूप में भेजा जाता है, मुख्य रूप से नरिदषिट आर्थिक क्षेत्रों में जहाँ इसे छँटाई और प्रसंस्करण से गुज़रना पड़ता है।
- एशिया भेजा गया यूरोप का कपड़ा कचरा नरियात प्रसंस्करण क्षेत्रों में पहुँच जाता है, जो ढीले श्रम मानकों और पर्यावरण नियमों के लिये विख्यात है।
- छँटाई के लिये कम श्रम लागत वाले देशों में कपड़े नरियात करना भी परविहन से जुड़े कार्बन फुटप्रिंट के बारे में चिंता उत्पन्न करते हैं।

सस्टेनेबल फैशन के लिये क्या समाधान हो सकता है?

■ पॉलिएस्टर पर नरिभरता कम करना:

- उत्पादन से लेकर पुनर्चक्रण तक इसके हानिकारक पर्यावरणीय प्रभाव के कारण विशेषज्ञ पॉलिएस्टर पर नरिभरता को पूरी तरह से कम करने की वकालत करते हैं।

■ वैकल्पिक फाइबर को अपनाना:

- कुछ फैशन ब्रांड अधिक टिकाऊ विकल्प के रूप में वैकल्पिक फाइबर की खोज कर रहे हैं, जैसे कि अनानास के पत्तों से बना पनिएकस। हालाँकि सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इन तंतुओं को अभी भी सामंजस्य के लिये थर्मोप्लास्टिक सामग्री की आवश्यकता हो सकती है, जिससे पुनर्चक्रण सीमिति हो सकता है।

■ अत्यधिक उपभोग को संबोधित करना:

- अंततः, फैशन उद्योग में स्थिरता प्राप्त करने के लिये अत्यधिक खपत से निपटना आवश्यक माना जाता है। पर्यावरण समर्थकों द्वारा उपभोक्ताओं से कम कपड़े खरीदने और मरम्मत, पुनः उपयोग और अपसाइकलिंग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया है।

सस्टेनेबल फैशन से संबंधित क्या पहल हैं?

■ वैश्विक स्तर पर:

- सस्टेनेबल फैशन के लिये संयुक्त राष्ट्र गठबंधन:

- यह [संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों](#) और संबद्ध संगठनों की पहल है जिसने फैशन क्षेत्र में समन्वित कार्रवाई के माध्यम से [सतत विकास लक्ष्यों](#) में योगदान करने के लिये डज़ाइन किया गया है।

